नईदुनिया

बंगाल में दुर्गा पूजा से पहले 25 हजार करोड़ की परियोजनाओं का होगा शिलान्यास

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में बड़े औद्योगिक निवेश को लेकर चर्चा के बीच भाजपा की प्रदेश महासचिव लाकेट चटर्जी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उद्योगपति और आरपी-संजिव गोयनका समूह के चेयरमैन संजीव गोयनका का एक वीडियो साझा किया है। वीडियो में गोयनका पश्चिम बंगाल में बड़े निवेश की योजना और निकट भविष्य में परियोजना को आगे बढ़ाए जाने की बात करते नजर आ रहे हैं।गोयनका ने पश्चिम बंगाल में करीब 25 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव का उल्लेख किया है। लाकेट चटर्जी ने इसे बंगाल में निवेश और औद्योगिक विकास के संदर्भ में साझा करते हुए पहले और अब की तुलना का राजनीतिक संदेश दिया है।

गोयनका ने बताया कि राज्य में वितरण कारोबार को मजबूत करने के लिए अब तक मुख्य रूप से वितरण नेटवर्क के आधुनिकीकरण, मीटरिंग व्यवस्था और अन्य कार्यों पर हर साल करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश किया जाता रहा है। उनके मुताबिक, अब करीब 25 हजार करोड़ रुपये के बड़े निवेश का प्रस्ताव राज्य सरकार के समक्ष रखा गया है और इसे सरकार की मंजूरी भी मिल चुकी है।

गोयनका ने यह भी संकेत दिया है कि इस निवेश से जुड़ी परियोजना का शिलान्यास दुर्गापूजा से पहले किया जा सकता है। उन्होंने निवेश प्रस्ताव के तेजी से आगे बढ़ने पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि अपने पूरे कार्यजीवन में उन्होंने इस तरह के प्रस्ताव को इतनी तेजी से आगे बढ़ते हुए देखने की कल्पना नहीं की थी। उनके अनुसार, सामान्य तौर पर इतने बड़े निवेश प्रस्ताव को तैयार करने में ही कई वर्ष लग जाते हैं। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के पहले पांच हजार मेगावाट-घंटे क्षमता वाली बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना का शिलान्यास होने जा रहा है। गोयनका समूह की ओर से इससे पहले ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ी बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना की घोषणा की जा चुकी है। दिसंबर 2025 में संजीव गोयनका ने 5,000 मेगावाट-घंटे क्षमता वाली बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना के लिए करीब 12 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी। परियोजना का उद्देश्य बिजली की मांग के अनुसार ऊर्जा का भंडारण करना और कोलकाता की बिजली आपूर्ति में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना है। गोयनका के अनुसार, परियोजना के पूरा होने के बाद कोलकाता की बिजली जरूरतों का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा करने में मदद मिल सकती है। गोयनका समूह ने दिसंबर 2025 में ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में कुल 15,800 करोड़ रुपये के प्रस्तावित पूंजीगत निवेश की जानकारी दी थी। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा 5,000 मेगावाट-घंटे की ऊर्जा भंडारण परियोजना का था, जिस पर करीब 12 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान बताया गया था। समूह की ओर से इस परियोजना के लिए जमीन को लेकर आवेदन किए जाने की जानकारी भी सामने आई थी। आरपी-संजीव गोयनका समूह ने बंगाल में ऊर्जा के अलावा शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी निवेश की योजनाएं सार्वजनिक की हैं। समूह ने शिक्षा क्षेत्र में अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 500 करोड़ रुपये तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में विस्तार के लिए निवेश की योजना का उल्लेख किया था। प्रस्तावित निवेश में एक बड़े अस्पताल की योजना भी शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

आनर मैजिक 9 सीरीज को खास कैमरा फीचर्स के साथ करेगी पेश

नई दिल्ली। स्मार्टफोन निर्माता आनर कंपनी अपनी आगामी मैजिक 9 सीरीज को बेहद खास कैमरा फीचर्स के साथ पेश करने की तैयारी कर रही है। इस सीरीज में 55 मेगापिक्सेल का चौकोर आकार वाला एजाइल आई फ्रंट कैमरा दिया जाएगा। आनर का दावा है कि यह चौकोर फ्रंट कैमरे वाला पहला एंड्रायड फोन होगा। एजाइल आई कैमरे को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह फोन को वर्टिकल या हारिजान्टल दिशा में इस्तेमाल करने के दौरान अधिक लचीलापन दे सके। इससे सेल्फी, ग्रुप फोटो और वीडियो शूट करते समय व्यापक दृश्य क्षेत्र मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यह कैमरा मैजिक 9 सीरीज के सभी माडलों में नहीं मिलेगा। कंपनी के अनुसार, चौकोर फ्रंट कैमरा मैजिक 9 प्रो मैक्स और मानक मैजिक 9 माडल में दिया जाएगा। कैमरा सिस्टम की बात करें तो मैजिक 9 सीरीज में पीछे की तरफ ट्रिपल कैमरा सेटअप मिलने की जानकारी सामने आई है। इसमें दो 200 मेगापिक्सेल के एआरआरआई कैमरा सेंसर शामिल होंगे। इसके अलावा आनर 500 मिलीमीटर का टेलीकन्वर्टर भी पेश करेगा, जो दूर की वस्तुओं की तस्वीरें लेने के लिए उपयोगी हो सकता है। केवल बड़े मेगापिक्सेल वाले कैमरों के बजाय एक संपूर्ण कैमरा सिस्टम के तौर पर विकसित किया गया है। कैमरा फीचर्स के लिहाज से यह सीरीज प्रीमियम स्मार्टफोन बाजार में काफी चर्चा बटोर सकती है। कंपनी वीडियो रिकार्डिंग को भी खास बनाने की तैयारी में है और फोन में नया एआरआरआई सिनेमा मोड मिलने की उम्मीद है। मैजिक 9 प्रो मैक्स के रियर कैमरा माड्यूल को गाइड्स आई नाम का नया डिजाइन दिया गया है। आनर के मुताबिक, इसका डिजाइन एआरआरआई के एरिफ्लेक्स 35 कैमरे से प्रेरित है।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई। कच्चा तेल (ब्रेंट क्रूड) का नवंबर वायदा करीब 0.43 फीसदी नीचे आकर 108.28 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा लगभग 0.84 फीसदी की गिरावट के साथ 104.94 डालर प्रति बैरल पर है। कच्चे तेल में की इस गिरावट का मुख्य कारण अमेरिका से जारी भंडार के आंकड़े हैं। अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, 11 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में अमेरिका का कच्चे तेल का भंडार अप्रत्याशित रूप से 71.4 लाख बैरल बढ़ गया। बाजार विश्लेषकों को इसके विपरीत लगभग 18 लाख बैरल की कमी की उम्मीद थी। भंडार में उम्मीद से कहीं अधिक बढ़ोतरी आमतौर पर मांग में कमजोरी का स्पष्ट संकेत मानी जाती है और इसका सीधा असर तेल की कीमतों पर दबाव के रूप में देखने को मिलता है। सिर्फ कच्चे तेल का ही नहीं, बल्कि पेट्रोल और डीजल जैसे तैयार ईंधन के भंडार में भी वृद्धि दर्ज की गई है, जिसने अमेरिकी बाजार में तेल की मांग को लेकर चिंताएं और बढ़ा दी हैं।

इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री ने पकड़ी जबरदस्त रफ्तार

नई दिल्ली। भारतीय आटोमोबाइल बाजार में वर्ष 2026 की पहली छमाही (जनवरी से जून) में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी है। इस दौरान 1.48 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी हुई, जबकि हाइब्रिड कारों की बिक्री लगभग 57,855 यूनिट रही, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की ढाई गुना अधिक बिक्री को दर्शाती है। शीर्ष 20 इलेक्ट्रिक माडलों की कुल बिक्री 1,39,024 यूनिट रही, जो पिछले साल की समान अवधि (83,229 यूनिट) की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। बिक्री के आंकड़ों में एमजी विंडसर 19,080 यूनिट के साथ सबसे आगे रही, हालांकि इसकी बिक्री पिछले साल से थोड़ी कम हुई। दूसरे स्थान पर महिंद्रा एक्सईवी 9एस ने 18,074 यूनिट के साथ जगह बनाई, जिसके बाद टाटा नेक्सन ईवी ने 16,567 यूनिट के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, जो पिछले साल की तुलना में इसकी बिक्री में खासे सुधार को दर्शाता है। टाटा पंच ईवी (15,683 यूनिट) और महिंद्रा एक्सईवी 9ई (11,242 यूनिट) ने भी मजबूत प्रदर्शन किया। टाटा हैरियर ईवी की बिक्री में भारी उछाल आया, जो 10,499 यूनिट तक पहुंच गई, जबकि मारुति ई-विटारा ने 8,572 यूनिट के साथ सातवां स्थान हासिल किया।

सर्राफा बाजार में सोने की घटी चमक, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 920 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चांदी के भाव में लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये चमकीली धातु भी शुरुआती कारोबार के दौरान स्तर पर ही कारोबार कर रही है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,40,390 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,53,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,53,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,53,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,53,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,40,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर शुल्क लगने से आम उपभोक्ताओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा : आरबीआई

नई दिल्ली

रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने कहा कि 2000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर 0.4 फीसदी का शुल्क (एमडीआर) लागू करना भारत के डिजिटल पेमेंट ईकोसिस्टम की लंबे समय तक निरंतरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आरबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी एक पोस्ट में बताया कि ईकोसिस्टम में एमडीआर का उचित और सही बंटवारा तकनीक, बुनियादी ढांचे एवं स्वीकार्यता तंत्र में लगातार निवेश को बढ़ावा देगा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इससे यूपीआई को देश भर में ग्राहकों और व्यवसायों के लिए आगे बढ़ने, नवाचार करने व सेवाएं देने में मदद मिलेगी।

आरबीआई ने कहा कि इससे यूपीआई को व्यापक स्वीकार्यता, ग्राहकों की संख्या को बढ़ाने और लेन-देन की मात्रा में लगातार बढ़ोतरी में मदद मिल सकती है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि सभी यूपीआइ लेनदेन (व्यक्ति-से-व्यक्ति एवं व्यक्ति-से-व्यापारी या मर्चेंट) यूजर्स के लिए मुफ्त रहेंगे और 2000 रुपये से कम के व्यक्ति से व्यापारी को लेनदेन व्यापारी के लिए भी मुफ्त बने रहेंगे।

केंद्रीय बैंक ने आश्वस्त किया, रिजर्व बैंक यह सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है कि यूपीआई सुरक्षित, निर्बाध, सस्ता और सुलभ बना रहे। इसके साथ ही भारत के विश्वस्तरीय डिजिटल पेमेंट ईकोसिस्टम की लंबे समय तक निरंतरता और विकास को भी बढ़ावा दे।

इससे एक दिन पहले भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने कहा कि सरकार ने बड़े डिजिटल भुगतान के लिए जारी की गई नई व्यवस्था के तहत 2 हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पाने पर व्यापारियों से 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क लेना तय किया है। हालांकि, यूपीआई पेमेंट पर इस तरह के चार्ज लगने का आम उपभोक्ताओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

वहीं, वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि नई व्यवस्था के तहत 2 हजार रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पाने पर व्यापारियों से 0.4 फीसदी का एमडीआर शुल्क लेना तय किया गया है। इसमें 75 हजार रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम शुल्क 300 रुपये होगा। नए बदलाव 15 अक्टूबर, 2026 से प्रभावी हो जाएंगे।

महिंद्रा थार के 3-डोर मॉडल के फेसलिफ्ट का बेसब्री से इंतजार

नई दिल्ली। कार निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा की महिंद्रा थार के 3-डोर माडल के फेसलिफ्ट का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। इस कार को लान्च से पहले अपने अंतिम रोड टेस्ट के दौरान देखी गई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि इसकी एंट्री भारतीय बाजार में जल्द ही होने वाली है। इस नई थार में डिजाइन से लेकर फीचर्स तक कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जिनमें से कई एलिमेंट और फीचर्स थार राक्स से प्रेरित होंगे। फ्रंट में सबसे बड़ा बदलाव थार राक्स से प्रेरित राउंड एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप और सी-शेप एलईडी डीआरएल के रूप में देखने को मिलेगा। नई ग्रिल अधिक आधुनिक डिजाइन के साथ आएगी और अलग-अलग वेरिएंट में इसका डिजाइन भिन्न हो सकता है। नए फ्रंट बंपर और अपडेटेड फाग लैंप भी इसमें शामिल होंगे। साइड प्रोफाइल में नए 5-स्पोक 19-इंच अलाय व्हील मिल सकते हैं, जबकि पीछे की तरफ नई एलईडी टेललाइट डिजाइन और बदला हुआ बंपर इसे पहले से ज्यादा प्रीमियम लुक देगा। फेसलिफ्ट थार के इंटीरियर में भी कई खास बदलाव किए जाएंगे, जिसमें 10.25-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और एक बड़ा इन्फोटेनमेंट सिस्टम शामिल है। वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, आटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, आटो-डिमिंग आईआरवीएम, वायरलेस चार्जिंग और बेहतर आडियो सिस्टम जैसे फीचर्स भी जोड़े जाएंगे।

आरबीआई ने टाटा संस की लिस्टिंग से पहले बंबई हाईकोर्ट में की कैविएट दाखिल

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने बंबई हाईकोर्ट में कैविएट दाखिल की है। यह कदम टाटा संस को अनिवार्य रूप से स्टाक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध करने संबंधी आरबीआई के हालिया निर्देश को चुनौती देने वाली संभावित याचिका के मद्देनजर उठाया है। एक सूत्र के मुताबिक आरबीआई की इस कानूनी पहल ने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के लिए आरबीआई की सूचीबद्धता संबंधी निर्देश को कोर्ट में चुनौती देने की गुंजाइश सीमित कर दी है। सूत्र ने बताया कि आरबीआई द्वारा कैविएट दायर किए जाने की सूचना टाटा संस को भी दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक 11 सितंबर, 2026 को जारी एक पत्र में आरबीआई ने मार्च 2024 में टाटा संस की ओर से खुद को मुख्य निवेश कंपनी के रूप में पंजीकरण खत्म करने के अनुरोध वाले आवेदन को खारिज कर दिया है। इससे कंपनी को जल्द स्टाक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कराना जरूरी हो गया है। आरबीआई की ओर से पहले सूचीबद्धता का निर्देश देना और उसके तुरंत बाद कैविएट दायर करना इस बात का संकेत है कि टाटा संस की सूचीबद्धता अब टलने वाली नहीं है, भले ही टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा इसका विरोध कर रहे हों। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी है। इसने पिछले साल एक प्रस्ताव पारित कर सूचीबद्धता का विरोध किया था और यह चाहता था कि टाटा संस भी इस रुख का समर्थन करे।

रिपोर्ट के मुताबिक टाटा संस 2024 में कर्ज मुक्त कंपनी बन गई थी और सीआईसी के रूप में अपना पंजीकरण खत्म कराने के लिए आवेदन किया था ताकि कंपनी निजी बनी रह सके। हालांकि अब माना जा रहा है कि संगठन के भीतर जारी उथल-पुथल के बीच टाटा संस सूचीबद्धता के पक्ष में है। यह उथल-पुथल करीब दो साल पहले रतन टाटा के निधन के बाद शुरू हुई थी। पिछले आरबीआई से सूचीबद्धता का आदेश मिलने के बाद से ही इस निर्देश को लेकर कानूनी चुनौती की अटकलें लगाई जा रही थीं। माना जा रहा है कि यह कैविएट ही दाखिल कर दी गई थी।

एक सूत्र के मुताबिक टाटा ट्रस्ट्स के लिए अदालत का रुख करना मुश्किल हो सकता है क्योंकि ट्रस्ट के न्यासियों के बीच सूचीबद्धता के मुद्दे पर मतभेद हैं। कानूनी रूप से कैविएट एक ऐसी सूचना या आवेदन है, जिसे कोई व्यक्ति या संस्था संभावित कानूनी चुनौती की आशंका में अदालत में दाखिल करती है। इसका उद्देश्य यह तय करना होता है कि अदालत किसी मामले में कोई आदेश पारित करने से पहले कैविएट दाखिल करने वाले पक्ष को इसकी सूचना दे और उसका पक्ष भी सुने।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार आमतौर पर मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

पिछले सत्र के दौरान वाल स्ट्रीट में बिकवाली का दौर जारी रहा। यूएस ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी, ब्याज दर को लेकर बढ़ती चिंता और कच्चे तेल की कीमत में उछाल आने की वजह से निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते रहे। इसका असर वाल स्ट्रीट के सूचकांकों की गिरावट के रूप में साफ-साफ नजर आया। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 328.09 अंक यानी 0.63 प्रतिशत गिर कर 52,093.11 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,585.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 204.84 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,981.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 113.77 अंक यानी 0.22 प्रतिशत उछल कर 52,206.88 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.37 प्रतिशत टूट कर 10,658.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.34 प्रतिशत लुढ़क कर 8,090.28 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.15 प्रतिशत फिसल कर 25,402.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। अमेरिकी और यूरोपीय बाजार के विपरीत एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत टूट कर 1,573.79 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,235.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,625.85 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 83.27 अंक यानी 1.24 प्रतिशत उछल कर 6,710.53 अंक के स्तर पर आ गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने भी जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 503.25 अंक यानी 1.09 प्रतिशत बढ़ कर 46,014.74 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,501.39 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.57 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,886.48 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 63,819 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,693 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।